ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

प्रो. रजनीश जैन
सचिव
Prof. Rajnish Jain
Secretary

सत्यमेव जयते

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
Ph.: 011-23236288/23239337
Fax : 011-2323 8858
E-mail : secy.ugc@nic.in

मि0 सं0 14–5/2018 (सीपीपी–II) **11 फरवरी, 2019**

महोदया/महोदय,

यूनेस्को (UNESCO) ने हर वर्ष **21 फरवरी** को **'अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस'** के रूप में मनाने की घोषणा की है, जिससे मातृभाषाओं के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा दिया जा सके तथा विश्वभर में भाषिकी एवं सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जागरूकता बढ़े और समझ, सहिष्णुता एवं संवाद के आधार पर एकजुटता को प्रेरित किया जा सके। भारत में, मातृभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिये एवं निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये हर वर्ष **'मातृभाषा दिवस'** मनाया जाता है:–

- हमारे देश की भाषिक विविधताओं पर प्रकाश डालना।
- न केवल संबंधित मातृभाषा, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं के प्रयोग को प्रोत्साहित करना।
- भारत में साहित्य, शिल्प, कला–प्रदर्शन, आलेखन एवं अन्य रचनात्मक अभिव्यक्ति के अन्य रूपों के परिणामस्वरूप, संस्कृतियों की विविधता को समझना और आकर्षित करना।
- अपनी मातृभाषा के अतिरिक्त, अन्य भाषाओं को सीखने के लिये प्रोत्साहित करना।

आप इस अवसर पर अपने प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में, कम से कम दो भाषाओं में वाककला, वाद–विवाद, गायन, निबन्ध–लेखन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, संगीत एवं रंगमंच/नाटक प्रदर्शन, संगीत एवं नाटक मंचन, ऑनलाइन संसाधन गतिविधियों के साथ–साथ बहुभाषी समाज की संज्ञानात्मक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ, भारत का भाषिक चित्रण, भव्य प्रदर्शनी आदि क्रियाकलाप इस दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कर सकते हैं।

मैं पुनः आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप अपने प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों में **21.02.2019** को **'मातृभाषा दिवस'** का आयोजन करें।

सादर।

भवदीय,
रजनीश
(रजनीश जैन)

सेवा में,

सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति
सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य
अंतर–विश्वविद्यालय केन्द्रों के निदेशक